माननीया श्रीमती लीला देवी दुकन लच्छुमन

शिक्षा व मानव संसाधन, तृतीयक शिक्षा व अनुसंधान मंत्री, मॉरीशस सरकार

Hon. Mrs. Leela Devi Dookun-Luchoomun

Minister of Education and HR, Tertiary Education and Scientific Research

विश्व हिंदी दिवस, 2015

10 जनवरी, 2015

आप सभी को मेरा नमस्कार... और विश्व हिंदी दिवस की हार्दिक शुभ्कामनाएँ। मेरे लिए बहुत ही खुशी और गर्व की बात है कि इस देश की शिक्षा मंत्री के रूप में मैं विश्व हिंदी दिवस के इस समारोह में आप सभी के साथ हूँ।

यह समारोह मेरे लिए न केवल मॉ रीशस के बल्कि दुनिया भर के हिंदी स मुदाय के साथ जुड़ने का अनोखा मौका है। ये मौका जहाँ एक ओर मेरे नाम को गर्व के साथ भर रहा है, वहीं मुझे यह एहसास भी दिला रहा है कि दुनिया भर के हिंदी प्रेमियों को मॉ रीशस पर कितना विश्वास है और हमसे कितनी आशाएँ जुड़ी हुई हैं।

मॉरीशस में हिंदी भाषा का लम्बा इतिहास होना , दुनिया भर में जाने-माने लेखक होना, यहाँ की हिंदी शिक्षा का दुनिया भर में अ च्छा नाम होना, यहाँ पर हिंदी के लिए तन-मन से काम करने वाले नेताओं और संस्थाओं का होना... इन सभी की बदौलत ही आज दुनिया भर में भारत के बाद मॉरीशस को ही हिंदी के लिए मिसाल माना जाता है।

हम गर्व से कहते है कि हमारा देश धरती पर स्वर्ग है। लेकिन ध्यान से देखें तो हम सभी की महनत के बल पर यह देश हिंदी का स्वर्ग भी है।

तभी तो दुनिया भर में हिंदी के लेखकों के बीच इस साल भारत की साहित्य अकादमी ने हमारे देश के अभिमन्यु अनत को अपना हॉनोरेरी फेलोशिप दिया।

तभी तो भारत की बड़ी-बड़ी संस्थाएँ हर साल मॉरीशस में कई कांफ्रेंस और अकादमिक टुर के लिए भी आते हैं। और तभी तो हिंदी का यह स्वर्ग बहुत ही गर्व के साथ विश्व हिंदी सचिवालय जैसी संस्था की भूमी बना।

मित्रो,

इतना विश्वास, इतना सम्मान, इतनी आशाएँ लेकर आगे बढ़ना आसान नहीं होता। क्योंकि हर विश्वास, सम्मान और आशा के साथ होती है उतनी ही बड़ी ज़िम्मेदारी।

आज मैं मॉरीशस और दुनिया भर के हिंदी प्रेमियों को यह विश्वास दिलाना चाहती हूँ कि मॉरीशस की शिक्षा मंत्री होने के नाते मुझे इस ज़िम्मेदारी का पूरा एहसास है। और यह वचन देती हूँ कि हमारे प्रधान मंत्री श्री अनिरूद जगन्नाथ के गाइडेंस में मेरा मंत्रालय और पूरी सरकार न केवल मॉरीशस में बल्कि पूरी दुनिया में हिंदी का झंडा ऊँचा रखने के लिए हमेशा काम करेंगे।

आप विश्वास रखें कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं की पढ़ाई और प्रचार के काम में मॉरीशस आगे भी दुनिया भर के लिए एक लाइट हाउस की तरह रहेगा।

हिंदी और अन्य एशियन भाषाओं की प्रगति के लिए हमारा संकल्प जितना हमारे इतिहास और संस्कृति के नज़रिए से ज़रूरी है, उतना ही हमारे देश के विकास के लिए भी ज़रूरी है।

शिक्षा मंत्री होने के नाते मैं समझती हूँ कि मॉरीशस जैसे देश में जहाँ हमारे ह्यूमन-रिसोर्सेज़ ही हमारी सब से बड़ी सम्पत्ति है हमारे लिए हर तरह का ज्ञान बहुत ज़रूरी है। और आज के ग्लोबलाइज़्द दुनिया में अंग्रेज़ी -फ्रेंच के साथ-साथ हिंदी भाषा हर नौजवान के लिए ग्लोबल मार्केट में एक बहुत बड़ा ऐसेट हो सकता है।

आप देखिए इस ऐसेट की तलाश में अमेरिका से लेकर रशिया, चाइना और जापान तक दुनिया के सौ से अधिक देशों के नौजवान यूनिवर्सिटीज़ में भर्ति हो रहे है। इधर हमारे देश में ये भाषाएँ आपको ए-लेवल तक मुफ़्त में सिखाई जा रही है। यूनिवर्सिटी ऑफ़ मॉरीशस और एम.जी.आई. के साथ-साथ अब और यूनिवर्सिटीज़ भी हिंदी की टर्शीएरी शिक्षा दे रही है।

मेरा मानना है कि एशियन लैंग्वेजेज़ को लेकर मॉरीशस का कई देशों के मुकाबले जो कॉम्पटिटिव एडवांटेज है वो हमको बरकरार रखना होगा। और इस दिशा में भी लगातार काम करते रहना होगा।

भाइयों और बहनों,
यदि हिंदी को लेकर हमारी इंटर्नेशनल और नेशनल ज़िम्मेदारियों को देखें तो काम बहुत बड़ा लगता है। ज़िम्मेदारी बहुत बड़ी लगती है।

लेकिन सच कहुँ मित्रो, ये ज़िम्मेदारी कितनी भी 'बड़ी' हो... मुझे ये बिल्कुल 'भारी' नहीं लगती। इसका कारण है यहाँ बैठे सभी लोग। इस देश की जनता, इस देश की हिंदी संस्थाएँ और इस देश के हिंदी सेवी।

इस देश में एक ओर हिंदी के लिए संघर्ष करने वाली हिंदी प्रचारिणी सभा, हिंदी स्पीकिंग यून्यन, एम.जी.आई., आर्य सभा, इतनी सारी बैठ काएँ, इतने गुरुजन, इतने लेखक है जो इस धरती पर हिंदी की जड़ों को मज़बूत बनाए हुए है। और दूसरी ओर विश्व हिंदी सचिवालय जैसी संस्था है जो मॉरीशस के ज्ञान और एक्स्पर्टीज़ को दुनिया भर में फैलाने में लगी है।

मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि सेक्रेटेरिएट ने बहुत कम समय में मॉरीशस और दुनिया भर में अपना एक नाम बना लिया है। ये बात और भी ज़्यादा खुशी देती है कि जहाँ एक ओर सेक्रेटेरिएट अपने पब्लिकेशंस, अपने कॉम्पेटिशंस, लिटेरेरी एक्टिविटीज़ के माध्यम से हिंदी का प्रचार कर रहा है, वहीं दूस री ओर हिंदी आई .सी.टी. वर्कशॉप्स, नई टीचिंग टेक्नोलॉजी जैसे इनोवेटिव मेथड्ज़ का प्रचार करने के लिए देश-विदेश में सेमीनार और वर्कशॉप्स कर रही है।

मेरी यही आशा है कि सेक्रेटेरिएट इसी तरह से अपने काम में आगे ब ढ़ता रहे और इस नौजवान टीम को यह विश्वास दिलाती हूँ कि मंत्रालय और सरकार का स हयोग उन्हें हमेशा मिल ता रहेगा।

मित्रो,
आज का दिन और भी बहुत कारणों से खास है। हमारे लिए गर्व की बात है कि रशिया से प्रोफेसर खोखलोवा जैसी विद्वान हमारे बीच आई है। साथ ही मुम्बई भारत से कई विद्वान एक सम्मेलन के लिए मॉ रीशस आए हुए है। आप सभी का मैं मॉरीशस में स्वागत करती हूँ और आशा करती हूँ कि आपकी यात्रा सफ़ल हो।

सचिवालय के कॉम्पेटिशन में जिन लो गों ने भाग लिया और जिनको आज इनाम मिल रहे है उनको भी बधाई। आशा है इस इनाम से आपको आगे लिखने की प्रेरणा मिले।

सचिवालय के एनुअल रिसर्च मैगज़ीन के लॉन्चिंग के लिए भी बहुत-बहुत बधाई।

और जितने कलाकार आज इस मंच पर पर्फॉर्म कर रहे है उनको बहुत-बहुत बधाई।

अंत में मित्रो,
वर्ल्ड हिंदी सेक्रेटेरिएट की टीम को भी इस बहुत सुन्दर आयोजन के लिए बधाई देना मेरा कर्तव्य है।

इस आशा के साथ अपनी बातों को समाप्त करुंगी कि इस पूरे साल हम सभी मिलकर हिंदी जगत में मॉरीशस का सम्मान और बढ़ाएंगे ताकि अगले साल विश्व हिंदी दिवस इसी तरह पूरे गर्व के साथ मना पाएँ।

आप सभी को मेरी और मेरे परिवार की ओर से वि श्व हिंदी दिवस और साथ में नए साल तथा संक्रांति की बहुत शुभकामनाएँ।

धन्यवाद।

नमस्ते।